



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 139] नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 11, 1991/आषाढ़ 20, 1913
No. 139] NEW DELHI, THURSDAY, JULY 11, 1991/ASADHA 20, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय
(आयात व्यापार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं. 176 आईटीसी (पीएन)/90-93

नई दिल्ली, 11 जुलाई, 1991

विषय:- तमिलनाडु विद्युत बोर्ड की भवानी कट्टालाई बैरेज हाइड्रो इलेक्ट्रिक
परियोजना (1) के लिए जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओईसीएफ) 6 द्वारा विस्तारित 5.410 बिलियन येन
के लिए 27-3-90 के येन क्रेडिट ऋण संख्या आईडी-पी-64 के अंतर्गत उपकरण और सेवाओं के सम्बन्ध में लाइसेंसिंग शर्तें।

फाइल सं. आईपीसी/23(73)/90-93.- तमिलनाडु विद्युत बोर्ड
की भवानी कट्टालाई बैरेज हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना (1) के लिए
जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओईसीएफ) द्वारा प्रदान
किए गए 5.410 बिलियन येन का ऋण जापान और विकासशील
देशों, जिनमें भारत और ओईसीडी के सभी सदस्य देश शामिल हैं, के
लिए खुला है। तदनुसार, इस क्रेडिट के अधीन अधिप्राप्त की जाने वाली
वस्तुएं और सेवाएं जापान और अनुबन्ध-1 की सूची में उद्धृत सभी देशों
से आयात की जा सकती हैं। ये देश इस ऋण के अंतर्गत पाँच सोल देश
हैं।

डी.प्रार. मेहता, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 176 आई टी सी (पीएन)/
90-93, दिनांक 11-7-91 का परिशिष्ट।

तमिलनाडु विद्युत बोर्ड की भवानी कट्टालाई बैरेज हाइड्रो इलेक्ट्रिक
परियोजना (1) के लिए जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ.
ई.सी.एफ.) द्वारा विस्तारित 5.410 बिलियन येन के लिए 27-3-90
के येन क्रेडिट ऋण संख्या आईडी-पी-64 के अंतर्गत उपकरण और सेवाओं
के आयात के सम्बन्ध में लाइसेंसिंग शर्तें।

खण्ड-1: सामान्य शर्तें

1.(1) तमिलनाडु विद्युत बोर्ड की भवानी कट्टालाई बैरेज हाइड्रो
इलेक्ट्रिक परियोजना (1) की आयात आवश्यकता के कित्तवान के लिए
जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओईसीएफ) द्वारा प्रदान
किए गए 5.410 बिलियन येन का ऋण जापान और विकासशील
देशों, जिनमें भारत और ओईसीडी के सभी सदस्य देश शामिल हैं, के
लिए खुला है। तदनुसार, इस क्रेडिट के अधीन अधिप्राप्त की जाने वाली
वस्तुएं और सेवाएं जापान और अनुबन्ध-1 की सूची में उद्धृत सभी देशों
से आयात की जा सकती हैं। ये देश इस ऋण के अंतर्गत पाँच सोल देश
हैं।

1(2) क्रेडिट के अधीन केवल उन्हीं भवों और उसी मूल्य के लिए आयात जारी किए जा सकते हैं जिनके लिए महाविदेशालय, तकनीकी विकास/पूँजीगत माल भविष्य द्वारा विशेष रूप से निकासी कर दी गई हो। इस क्रेडिट के अधीन जारी किए गए आयात लाइसेंस का मूल्य 5.951 बिलियन येन (सागत बीमा भाड़ा) से अधिक नहीं होना चाहिए।

आयात लाइसेंस का सपये में मूल्य राज्यस्व विभाग (सीमाशुल्क) द्वारा अधिसूचित विनियम दर और आयात लाइसेंस जारी करने की तिथि को प्रचलित दर और मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात द्वारा जारी की गई साप्ताहिक सूचना सं. 78-आईटीसी(पीएम)/74, दिनांक 6 जून 1974 के पैरा 2 के अनुसार आयात लाइसेंस में मासिक दर पर निर्धारित किया जाएगा, जिसमें यह उल्लेख हो कि सीमाशुल्क प्राधिकारी और विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी आयात लाइसेंस(सों) में विनिश्चित मुद्रा विनियम दर पर मूल्य को लाइसेंस मूल्य के भागे डालेंगे। लाइसेंस पर एक शीर्षक "जापानी येन अण सं. आईडी-पी-64" होगा। प्रथम और द्वितीय प्रयत्न के लिए लाइसेंस में "एस जैसी" कोड होगा। यह कोड तमिलनाडु बिजुत बोर्ड को आयात लाइसेंस सेजते समय मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के पक्ष में भी कुद्राया जाएगा जिसकी एक प्रति वित्त-मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को पृष्ठांकित की जानी चाहिए।

1(3) तमिलनाडु बिजुत बोर्ड के पक्ष में आयात लाइसेंस केवल टीएनईडी के पक्ष में लागत बीमा भाड़ा के आधार पर जारी किए जा सकते हैं।

1(4) आयातक की सुविधा पर निर्भर करते हुए एक से अधिक आयात लाइसेंस इस क्रेडिट के अधीन जारी किए जा सकते हैं। लेकिन, कुल मूल्य 5.951 बिलियन (सागत बीमा भाड़ा) येन से अधिकन ही होना चाहिए जैसा कि ऊपर पैरा (2) में कहा गया है।

1(5) आयात लाइसेंस की वैधता में आयातक द्वारा आवेदन करने पर 12 महीनों की और भागे की अवधि के लिए वृद्धि की जा सकती है। भागे और वृद्धि करने के लिए नया आयात लाइसेंस जारी करने के लिए यदि कोई आवेदन हो तो उसे आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।

1(6) क्रेडिट के अधीन वित्त-दान किए जाने वाले आयात/आयात लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा विधिवत स्थापित संलग्न माल और सेवाओं की सूची तक प्रतिबंधित है।

1(7) विदेशी मुद्रा के किसी भी परेषण की अनुमति आयात/लाइसेंस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अधिकर्ता के कमीशन के प्रति कोई भी भुगतान भारतीय अधिकर्ता को भारतीय रुपये में किया जाना चाहिए। लेकिन ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होंगे और लाइसेंस पर ही प्रसारित किए जाएंगे।

1(8) उसके आदेश अनुबन्ध-1 में उल्लिखित देशों में स्थित विदेशी संभरकों को जहाज पर्यंत निःशुल्क लागत बीमा-भाड़ा/लागत और भाड़ा मूल्य के आधार पर दिए जाने चाहिए और वे आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों की अवधि के भीतर आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेज दिए जाने चाहिए। बीमा प्रभार का भुगतान भारत में भारतीय रुपये में देय होगा। "उसके आदेशों" का अर्थ भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा दिए गए उन क्रय आदेशों से है जो विदेशी संभरक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित हों या भारतीय आयातक और विदेशी संभरक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित क्रय संविदा हो। विदेशी संभरकों द्वारा भारतीय अधिकर्ताओं को दिए गए आवेदों या ऐसे भारतीय अधिकर्ताओं द्वारा पुष्टि-करण आदेश स्वीकार्य नहीं हैं।

1(9) चार महीनों की अवधि के भीतर ठेकों की इस शर्त का तब तक अनुपालन किया गया नहीं समझा जाएगा जब तक कि ठेके के पूर्ण दस्तावेज आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से चार महीने के भीतर वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को नहीं पहुंच जाते हैं। यदि उपर्युक्त पैरा 1(8) में क्या उल्लिखित उसके आदेश चार महीने

के भीतर बैंड कार्यों से नहीं दिए जा सकते हैं तो चार महीनों के भीतर आदेश क्यों नहीं दिए जा सकते इन कार्यों का उल्लेख करते हुए लाइसेंस जारी को आयात लाइसेंस की संबद्ध लाइसेंस प्राधिकारों की प्रस्तुत कर देना चाहिए। आवेदों देने की अवधि में वृद्धि के लिए ऐसे आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पात्रता के आधार पर विचार किया जाएगा। वे अधिक से अधिक चार महीनों की और अवधि के लिए वृद्धि इस लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 8 महीनों से अधिक के लिए मांगी जाती है, तो ऐसे प्रस्ताव निरपेक्ष रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) मार्फत नई दिल्ली को भेजे जाएंगे जो कि ऐसी वृद्धि के लिए प्रत्येक मामले की पात्रता के आधार पर विचार करेंगे और अपना निर्णय लाइसेंस प्राधिकारियों की भेजेंगे। जिसको वे लाइसेंसधारी को प्रेषित करेंगे। लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से केवल ऐसी वृद्धि प्राप्त करने वाला एक पत्र प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और विभागीय प्राधिकारी आयात लाइसेंस के अधीन किए गए संभरण ठेकों को पूर्ण करने के सम्बन्ध में सम्बन्ध स्थापित करने के लिए प्राधिकार पत्र और मुख्य रूप से जमा करने और की स्वीकृति आदि की सुविधाओं की अनुमति देंगे।

1(10) आयात लाइसेंस की समाप्ति से चार महीने के भीतर सभी भुगतान पूर्ण कर देने चाहिए। माल के पोतलवान पर असंग प्रत्यक्ष भुगतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। ठेके में नकद आधार पर अर्थात् पोतलवान दस्तावेजों के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। विदेशी संभरक से भारतीय आयातक को किसी भी किस्म की अण सुविधा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। माल के वितरण की अवधि के लिए ठेके में निम्नलिखित व्यवस्था होनी चाहिए:

"साथपक्ष की प्राप्ति के बाद महीने परन्तु अधिक से अधिक के अंत तक पूर्ण किया जाना है।

पोतलवान के लिए अखिरी तिथि निम्नलिखित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह तिथि 31-10-1994 के बाद की न हो।

खण्ड-2—संभरक ठेके का समझौता करते समय ध्यान में रखी जाने वाली विशेष बातें।

2(1) ठेके का जहाज पर्यंत निःशुल्क/लागत बीमा भाड़ा मूल्य येन में (येन की भिन्न के बिना) अभिव्यक्त होना चाहिए और भारतीय अधिकर्ता का कमीशन, यदि कोई हो, तो यह शामिल नहीं होना चाहिए जो कि भारतीय रुपये में चुकाना चाहिए।

संबिदा का मूल्य येन में (या भारतीय संभरकों के मामले में भारतीय रुपये में) अभिव्यक्त होना चाहिए। क्रय आदेश और संभरक द्वारा पुष्टिकरण आदेश केवल अंग्रेजी में होना चाहिए।

2(2) अण की रकम के वित्त पोषित किए जाने वाली सभी मास और सेवाओं की अधिप्राप्ति के अन्तर्गत अधिप्राप्ति के लिए मार्गदर्शन विस्तृतों के अनुसार निम्नलिखित सम्पूरक शर्तों के साथ की जाएगी:—

(क) कम से कम 500 मिलियन येन के अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में:—

(1) यदि पूर्ण ग्रहण संहिता औपचारिक बुली अन्तर्राष्ट्रीय निविदा से भिन्न अधिप्राप्ति क्रियाविधि अपनाते का प्रस्ताव है तो अधिप्राप्ति की पद्धति के अनुमोदन के लिए प्रो. ई.सी.एफ. की आवेदन पत्र प्रस्तुत करके उससे पूर्व अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा।

(2) मफल बोलीकार को निर्णय का नोटिस जारी करते से पहले बोली मूल्यांकन रिपोर्ट संहिता निर्णय के अनुमोदन के लिए आवेदन पत्र प्रो. ई.सी.एफ. की पुनरीक्षा और अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। निर्णय

और बीसी मूल्यांकन के अनुमोदन के लिए उपर्युक्त आवेदन पत्र के साथ साथ निम्नलिखित दस्तावेज प्रो.ई.सी.एफ. को भी संदर्भ के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

(ख) 500 मिलियन येन से कम अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में ठेके के निर्णय के लिए प्रो.ई.सी.एफ. के पूर्ण अनुमोदन की आवश्यकता नहीं है। लेकिन यदि प्रो.ई.सी. पुनरीक्षा का अनुरोध करे तो निम्नलिखित मूल्यांकन रिपोर्ट आवि उसकी पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत की जाएगी।

(ग) परामर्शदाताओं के नियोजन के लिए परामर्शदाता प्रो.ई.सी.एफ. के मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुरूप रखे जाएंगे। लेकिन निम्नलिखित दस्तावेजों के लिए प्रो.ई.सी.एफ. की पूर्वानुमति प्राप्त करनी होगी:—

- (1) संदर्भ की शर्तें।
- (2) परामर्शदाताओं की संक्षिप्त सूची
- (3) निमंत्रण पत्र
- (4) संक्षिप्त मूल्यांकन ग्रीड सहित मूल्यांकन रिपोर्टें।

(घ) आयातक उपर्युक्त क(1), क(2), (ख) और (ग) में उल्लिखित आवेदन पत्र दस्तावेज आर्थिक कार्य विभाग की दो प्रतियों में प्रस्तुत करेगा जो उसके द्वारा प्रो.ई.सी.एफ. को भेजे जाएंगे।

2(3) विदेशी संभरक को भुगतान, उनके नाम में बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा 1989-90 के लिए ओ.ई.सी.एफ. येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) में, ओ.ई.सी.एफ.-64 के अधीन खोले गए अपरिवर्तनीय साख-पत्र के माध्यम से किया जाना चाहिए। जिसका न्योरा सीधे अण्ड-7 में दिया गया है।

2(4) आयात लाइसेंस के प्रति केवल एक ही संविदा की जानी चाहिए। लेकिन कुछ विशेष मामलों में एक से अधिक संविदा करने की अनुमति भी दी जा सकती है जिसके लिए आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से उत्पन्न बाव बिल संजालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) से अनुमोदन प्राप्त कर लेना चाहिए।

2(5) संभरक की पात्रता: संभरक पात्र खोत देशों के राष्ट्रिक या पात्र खोत देशों में शामिल किए गए तथा पंजीकृत किए गए वैध व्यक्ति होंगे जिसके पास पात्र खोत देश में माल तथा सेवा के उत्पादन या उन्हें प्रदान करने की उपयुक्त सुविधा हो और जो वहां भारत में अपना कार्य व्यापार चलाते हों।

2(6) अपात्र खोत देशों से अनुमेय आयात: जिन वस्तुओं में अपात्र खोत देशों में बनी हुई सामग्री निहित है उसके लिए बिसदान किया जा सकता है बशर्ते कि निम्नलिखित सूत्र के अनुसार ऐसे उत्पाद की प्रति यूनिट का मूल्य मदवार आधार पर आयातित भाग के 50 प्रतिशत से कम हो:—

$$\text{आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य} + \text{आयात शुल्क} \times 100$$

संभरक का जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य

2(7) संविदा में घोषणा: प्रत्येक संविदा में संभरक द्वारा माल एवं संभरक की पात्रता और संभरक के हस्ताक्षर और तारीख से निम्नलिखित घोषणा जोड़ी जाएगी:—

“मैं अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि संभरित किया जाने वाला माल..... (सम्बन्धित पात्र खोत देश का नाम) में उत्पादित है।”

मैं, अधोहस्ताक्षरी आगे बहुप्रमाणित करता हूँ कि मेरी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार पात्र खोत देशों से आयातित भाग निम्नलिखित सूत्र के अनुसार 50 प्रतिशत से कम है:—

$$\text{आयातित लागत बीमा-भाड़ा मूल्य} + \text{आयात} \times 100$$

संभरक का जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य

(जहां एक फेक्टरी मूल्य लागू हो)

मैं, अधोहस्ताक्षरी, एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (कम्पनी का नाम)..... (पात्र खोत देश का नाम)..... का नाम (उसके पास (पात्र खोत देश का नाम) में माल तथा सेवा के उत्पादन या उन्हें प्रदान करने की उपयुक्त सुविधा है और वहां भारत में अपना कार्य व्यापार चलाती है।

अण्ड-3 संभरण ठेको में निम्नलिखित समाविष्ट की जाने वाली शर्तें

3(1) संभरण ठेको में निम्नलिखित प्रावधान विशेष रूप से समाविष्ट होंगे चाहिए।

(क) ठेके की व्यवस्था भारत सरकार और जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओईसीएफ) के बीच भवानी बैरेज कटालाई बैरेज हाइड्रोइलेक्ट्रिक परियोजना (1) के लिए येन क्रेडिट सं. आई डी-पी 64 (परियोजना सहायता) से संबंधित 27 मार्च, 1990 की हुए श्रृण समझौते के अनुसार होनी चाहिए और यह भारत सरकार और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के अनुमोदन के अधीन होगा।

(ख) संभरकों को भुगतान, भारत सरकार और जापान विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओईसीएफ) के बीच येन क्रेडिट सं. आई डी-पी 64 सं. संबंधित 27-3-90 की हुए श्रृण समझौते के अन्तर्गत बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा जारी किए जाने वाले अपरिवर्तनीय साख पत्र के माध्यम से किए जाएंगे।

(ग) संभरक ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होगा जो एक ओर भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओर ओ.ई.सी.एफ. द्वारा येन श्रृण के अधीन प्रेषित हों।

(घ) उपर्युक्त 2(7) में उल्लिखित प्रपत्र में प्रमाण-पत्र (तीन प्रतियों में)।

(ङ) यदि किसी मामले में संभरक जापान में स्थित हो तो संभरक संविदा के संबंध में एक धारा होना चाहिए कि जापानी संभरक भारतीय दूतावास, टोकियो के परामर्श पर पोत परिवहन व्यवस्थान करने के लिए सहमत है और इस उद्देश्य के लिए यह भारतीय दूतावास, टोकियो को शामिल माल की सपुर्वेगी के कार्यक्रम से अवगत कराएगा और पोतवधान से कम से कम 6 मप्ताह पूर्व भारतीय दूतावास को सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष मामलों में, जहां भारतीय आयातक इच्छुक हो, सूचना की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक को प्रत्येक पोतवधान के पश्चात् आवश्यक व्योरे देते हुए तार से सूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

अण्ड-4 : प्रो. ई. सी. एफ. द्वारा ठेके की पुनरीक्षा

4(1) लाइसेंसधारी को पक्के आवेदन देने के लिए निर्धारित अवधि के भीतर आयातक और विदेशी संभरकों दोनों द्वारा निश्चित हस्ताक्षरित ठेके की बार प्रतियां जो विदेशी संभरकों द्वारा निश्चित में पुष्टि आवेदन के साथ हों या उनकी हर प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियां संगत वैध आयात लाइसेंस की दो फोटो प्रतियां सहित और अनुबंध 2 के प्रपत्र में “आधिकार

पत्र" जारी करने के लिए आर्बेदन की दो प्रतियाँ आर्थिक कार्य विभाग की भेजनी चाहिए।

4(2) उपर्युक्त क्रियाविधि ठेकों की विषयवस्तु या उनकी कीमतों में होने वाले ऐसे सभी संशोधनों पर भी लागू हो जिनके कारण अनिवार्य रूप से आर्बेदन करने पड़े।

4(3) वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) ठेक की एक प्रति के साथ ठेके के निर्णय का नोटिस समीक्षा के लिए ओ.ई.सी.एफ. को भेजेगा। आयात लाइसेंस की फोटो कॉपी और "प्राधिकार पत्र" जारी करने के लिए आर्बेदन की प्रति सहित ठेके के निर्णय के नोटिस और ठेके की एक एक प्रति आर्थिक कार्य विभाग भारतीय दूतावास, टोकियो और सी. ए. ए. एण्ड ए. के कार्यालय को भेजेगा।

खण्ड—5 विदेशी संभरकों को भुगतान साख-पत्र क्रिया विधि

5(1) वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग से ठेके के निर्णय का नोटिस और ठेके के वस्तावेज प्राप्त होने पर सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक बैंक आफ इंडिया को टोकियो शाखा को सम्बोधित संलग्न अनुबन्ध—3 में दिए गए प्रपत्र में एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा जिसमें बैंक आफ इंडिया को टोकियो शाखा संबंध विदेशी संभरक के नाम में संलग्न अनुबन्ध—4 (आयातों के लिए) के प्रपत्र में या अनुबन्ध—5 (सेवाओं के लिए) के प्रपत्र में एक अपरिवर्तनीय साखपत्र खोलेगी। प्राधिकार पत्र की प्रतियाँ ओ.ई.सी.एफ. भारतीय दूतावास, टोकियो भारत में आयातक के बैंक, आर्थिक कार्य विभाग जापान अनुभाग वित्त मंत्रालय को पठाई जाती जाएगी।

5(2) प्राधिकार पत्र मिलने पर भारतीय बैंक, टोकियो अनुबन्ध—4 आयातों के लिए लागू होता है या अनुबन्ध—5 (सेवाओं के लिए लागू होता है) के अनुसार संबंधित विदेशी संभरकों के नाम में अपरिवर्तनीय साखपत्र की स्थापना करेगा और उसकी एक प्रति विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.), भारतीय दूतावास टोकियो भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को भी भेजेगा।

सी. ए. ए. एण्ड ए. से प्राधिकार पत्र के आधार पर साखपत्र खोलने के लिए उपर्युक्त क्रियाविधि संविदा संशोधन या अन्यथा के लिए आवश्यक समझे जाने वाले ऐसे सभी प्राधिकार पत्र साखपत्रों के संशोधन पर स्वतः लागू होगी।

5(3) माल की पोतलवान कराने के बाद विदेशी संभरक आने बैंकों के माध्यम से साखपत्र में उल्लिखित दस्तावेज बैंक आफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा जो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि का विदेशी संभरक को उसके बैंकों के माध्यम से रिहा करेगा और उसके बाद आयातों की लागत की घनगणि की प्रतिपूर्ति विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से प्राप्त करेगा।

ठेका मूल्य के 1/10 प्रतिशत के बराबर धनराशि प्राप्त होने पर विदेशी आर्थिक सहयोग निधि वचनबद्धता पत्र जारी करेगा।

5(4) साखपत्र खोलने, उसके अधीन लेन देन करने के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय बैंकिंग प्रभार और विदेशी संभरक के बैंकिंग प्रभार, यदि कोई हो, तो वे आयातक विदेशी संभरक द्वारा वहन किए जाएंगे। ओ.ई.सी.एफ. ठेके के मूल्य के 1/10 प्रतिशत (0.1 प्रतिशत) मूल्य के बराबर धनराशि प्राप्त करने पर वचनबद्धता पत्र जारी करेगा। यह धनराशि ओ.ई.सी.एफ. द्वारा स्वयं ऋण/निधियों में चुकाई जाएगी।

ओ.ई.सी.एफ. या सहायता लेखा-नियंत्रक, वित्त मंत्रालय से भुगतान की सूचना प्राप्त होने पर, आयातक की वचनबद्धतापत्र के खर्चों के मुख्य धनराशि सरकारी लेखों में जमा करनी होगी। ओ.ई.सी.एफ. को भुगतान की तिथि से रुपये जमा करने की तिथि तक (दोनों तिथियाँ शामिल करके) व्याज भी प्रचलित दर पर आयातक द्वारा चुकाया जाएगा।

आयातक द्वारा प्रतिपूर्ति क्रिया विधि के तहत 0.1 प्रतिशत का इसी प्रकार का खर्चा चुकाया जाना है। आयातकों द्वारा आयातों के लागत के भुगतान की तिथि से ओ.ई.सी.एफ. द्वारा विदेशी संभरक को भुगतानी की तिथि तक की अवधि के लिए गणना करके बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय व्याज प्रभार का भारत सरकार के लेखों को प्रभावित किए बिना सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से भारत में संबंध आयातकों के बैंक द्वारा बैंक आफ इंडिया, टोकियो को धन परेषण करके भुगतान किया जाएगा।

5(5) प्रतिपूर्ति क्रियाविधि

भारतीय संभरकों से माल और सेवाओं की खरीद के लिए ऋण की रकम के संवितरण के लिए क्रियाविधि ऋण समझौते से संबद्ध प्रतिपूर्ति क्रियाविधि के अनुसार होगा।

खण्ड—6 रुपया निक्षेप करने के लिए उद्देश्यावन्ध

6(1) बैंक आफ इंडिया, टोकियो संगत प्राधिकार पत्र के परिशिष्ट में सफिक्त भूमात्र आयात के प्राधिकृत बैंकर को पराक्राम्य पोत परिवहन वस्तावेज रिहाज होने से पहले, भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी दिल्ली में रुपया निक्षेप कर दिया गया है। विदेशी संभरक को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रुपये पर व्याज प्रभार प्रथम 30 दिन के लिए 12 प्रतिशत प्रतिवर्ष है और अधिक अवधि के लिए 18% प्रतिवर्ष है, पर विदेशी संभरक को बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तिथि तक का हिसाब लगाकर व्याज सार्वजनिक सूचना सं. 31 आई टी सी (पी एम)/83, दिनांक 10-8-1983 के अनुसार मूल भुगतान के साथ साथ व्याज प्रभार भी सरकारी लेखों में जमा कराया है। यह भी नोट किया जाना चाहिए कि व्याज ऋणों दिनों के लिए अर्थात् जिस दिन विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और जिस दिन सरकारी लेखों में रुपया जमा किया जाता है देय है। देखिए सार्वजनिक सूचना सं. 103—आई टी सी (पी एन)/76 दिनांक 12-10-76 31—आई टी सी (पी एन) 93, दिनांक 10-8-1983 द्वारा संशोधित सूचना सं. 74 आई टी सी (पी एम) 74, दिनांक 31-5-74

संभरक को किए जाने वाले भुगतानों की राशि और तारीख का सुनिश्चित करने के लिए आयातक को अवश्य से ध्वन्य करनी चाहिए। बैंक आफ इंडिया, टोकियो से आयातक के बैंक द्वारा पोत परिवहन प्रादि दस्तावेजों की चेरी या विलम्ब से प्राप्त की रुपया निक्षेप पर लगने वाले व्याज की आर्थिक या पूर्ण धनराशि को समाप्त करने का कारण नहीं माना जाएगा।

विदेशी संभरक को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रुपये की गणना करने के लिए अपनानी जाने वाली विनियम की दर भुगतान की तारीख को लागू विनियम की वह मिश्रित दर होगी जो सार्वजनिक सूचना सं. 113—आई टी सी (पी एन) 88—81, दिनांक 8-4-89 में निर्धारित तरीके के अनुसार निश्चित की गई हो अथवा जो मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मूद्रा विनियम नियंत्रण परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा समय समय पर घोषित की गई हो।

इस संबंध में और व्याज की दर के संबंध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करना भारतीय रिजर्व बैंक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि आयातकों को आयात वस्तावेज सौंपने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी है। आयातक को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि देय धनराशि अपने बैंकों से वस्तावेज लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। देय धनराशि सरकारी खाते में जमा कर दी गई है यह सुनिश्चित करने के लिए आयातक को तब भी जिम्मेदारी होगी जब वे विशेष परिस्थितियों के अंतर्गत सीमाशुल्क प्राधिकारियों से माल की सुपुर्दगी लेने से पहले जमा नहीं कर पाता तो आगे से माल की सुपुर्दगी प्राप्त करने। यदि आयातक सरकार को देय धनराशि का आयात की सुपुर्दगी लेने से पहले जमा नहीं करता तो आगे के लिए उसे प्राधिकार

पक्ष देना बन्द कर दिया जाए और गाम्बो-की-रिपोर्ट मुख्य/मिथ्याक आयात-निर्यात को दी जाए ताकि ऐसे आयातक की घाती और लाइसेंस जारी न किए जाएं। जिस लेखा शीर्ष में उपर्युक्त खपया निक्षेप किया जाएगा वह "के डिपॉजिट एंड गेडवॉसिज-8443-मिथिल डिपॉजिट-डिपॉजिट फार परसेजिज एटसेट्टा भ्रष्टाच परसेज अंडर केडिट्स/लोनएडीमेंट्स" लोन फोम दि गवर्नमेंट अफ जापान 5.410 बिलियन येन केडिट म. आईबीपी-64 फार दी भवानी कट्टालाई बरेज हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट (1) होना चाहिए।

6(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ इंडिया, लॉस हुआगी, दिल्ली में बालान के ऊपर दाहिनी ओर कोम में कोड सं. 5130000009 का संकेत देते हुए सरकार के खाते में इस संबंध में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचनाओं में यथानिर्धारित तरीके से जमा होना चाहिए।

6(3) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बाद सात दिनों के भीतर भारत में आयातक का संबंध बैंक भी ऊपर निर्धारित तरीके से वह प्रतिरिक्त धनराशि सेवा खर्चों के भिन्न भेजेगा जो वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा मांगी जाए। बालान के विभिन्न कालों की भरते समय आयातकों को इस बात का सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई टी सी (पीएम)/71, दिनांक 5-10-1971 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना चालान के कॉलम "धन परेषण और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण ध्येय" निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए:—

(क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पत्र की संख्या और दिनांक।

(ख) येन मुद्रा की वह धन राशि जिसके संबंध में अपमाई गई परिचयन की दर के साथ निषेध किए जाते हैं।

(ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि।

उसके पश्चात् सी.ए.ए. एंड ए. द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पत्र का संवर्ध देते हुए और बीजक तथा पोत प्रतिबन्धन वस्तावेजों को संलग्न करते हुए खजाना बालान रुपया जमा करने का साध्य देते हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी.ए.ए. एंड ए. को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी:—भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रुपये का निक्षेप भारतीय बैंक टोकियो से अस्थायी की सूचना और पराक्रम्य पोतलदान वस्तावेज की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया गया है और यह कि उसके तत्काल बाद सी.ए.ए. एंड ए., वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) नई दिल्ली को तथ्य से सूचित कर दिया गया है।

6(4) भारत में संबंध भारतीय बैंक को लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति पर खपया निक्षेपों की धनराशि का पुष्ठांकन करना चाहिए।

खंड—7 विविध व्यवस्थाएं

7(1) आयात लाइसेंस के उपयोग करने की रिपोर्ट—आयातक को पोतलदान और उसके अधीन किए गए भुगतान और शेष धनराशि के बारे में साखपत्र खोलने के बाद एक मासिक रिपोर्ट सहायता लेख एवं लेख प्रीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, बी-विंग, 5वां तल, जनपथ भवन, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

7(2) संभरकों की विशेष शर्तों के बारे में सूचित करना—लाइसेंस-धारी के आयात लाइसेंस में दिए गए किसी उन विशेष उपबंधों से संभरक को प्रयोग करा देना चाहिए जो भाग के लाने में संभरक पर प्रभाव डालते हों।

7(3) निषाध—यह समझ लेना चाहिए कि लाइसेंसधारी और संभरकों के बीच यदि कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए अग्रदूत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। भारतीय बैंक, टोकियो द्वारा किए गए भुगतान से पहले

संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें अनुबंध-2 में "भुगतान की शर्तों" के अंतर्गत अच्छी तरह से स्पष्ट कर लेनी चाहिए। संविदा की शर्तों में विवाद को निपटने से संबंधित शर्तें शामिल होनी चाहिए।

7(4) भावी अनुबंध—आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ खड़े होंगे बने किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित या जापानी प्राधिकारियों के साथ येन केडिट समझौता (परियोजना सहायता) सं. आईबीपी-64 के अधीन सभी मामलों को विदेशी आर्थिक सहयोग निधि आप (ओईसीएफ) के साथ पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर किए गए निवेशों या आदेशों का लाइसेंसधारी को तुरन्त पालन करना होगा।

7(5) प्रतिस्पर्धन या उल्लंघन—उपयुक्त खंडों में निर्धारित की गई शर्तों के प्रतिस्पर्धन या उल्लंघन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्यवाही की जाएगी।

7(6) अनुबंधों की सूची—1. अनुबंध-1 पात्र खोन देशों की सूची।

2. अनुबंध-2 प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुरोध।

3. अनुबंध-3 प्राधिकार पत्र का प्रपत्र।

4. अनुबंध-4 साखपत्र का प्रपत्र (आयातों के लिए लागू)।

5. अनुबंध-5 साखपत्र का प्रपत्र (सेवाओं के लिए लागू)।

उपाबंध-1

पात्र खोन देशों की सूची

क. विकासशील देश और क्षेत्र

(क-1) विदेश आर्थिक सहयोग से भिन्न विकासशील देश

1. अफ्रीका, उत्तरी सहारा
मिश्र
मोरक्को
सुसीरिया

2. अफ्रीका, दक्षिणी सहारा

अंगोला
बेनिन
बोलस्वाना
बुरुंडी
केमरॉन
कैपवर्ड द्वीप
मध्य अफ्रीका गणतंत्र
चाड
कोमोरोस
कांगो, बाहामें का गणतंत्र
इक्वेटोरियल गिनी (1)

इथोपिया
जॉर्जिया
घाना
गिनी
ग्राइवरी कोस्ट
बेन्या

भेमाथो
लाइबीरिया
मालायासी गणतंत्र
मालावी
माला
मारिटोनिया, मारिशस

(1) फरनांडो पी-प्रो द्वीप, सहित स्पेन गिनी का प्रदेश।

- मोजाम्बिक
सेंट हेलेना और डेप (2)
साओ टोमों और प्रिंसिपस
सेनेगल
सेचिलीज
सीमरे लिओन
सोमालिया
सूडान
स्वाजीलैण्ड
टोगो, प्रफर्स और इसस
टोगो
युगांडा
तंजानिया गणतंत्र संघ
घपर बोल्डा
जाहरे गणतंत्र
जाम्बिया
3. अमेरिका उत्तरी और केन्द्रीय
बहामास
बरमुडोस
बारबडोस
बेलीज
कोस्टारिका
क्यूबा
डामिनिकन गणतंत्र
एल सल्वाडोर
गुडालोप
ग्वाटेमाला
हैटी
होंडुरस
जमैका
कार्टनिको
नार्वे
पुर्तगाली गिनी
रिपुब्लिक
रोडेसिया
साओ
सैनिको
नीदरलैण्ड एंटीलीज
निकारागुआ
पनामा
सेंट पियरी और मिकेलोन
ट्रिनिडाड और टोबागो
3. अमेरिका उत्तरी और मध्य
वेस्टइंडीज (साथा) एन-एर्यात्
(क) सह-संबंध राज्य (1)
(ख) ग्रामित (2)
4. दक्षिणी अमेरिका
अर्जेन्टीना
बोलिविया
ब्राजील
चिली
कोलम्बिया
बगस्क लैण्ड द्वीप समूह
क्रोस गिनी
गुयाना
पराग्वे
पीरू
सुरिनाम
उरुग्वे
5. मध्य पूर्वी एशिया
बहरीन
इजराइल
जोर्डन
लेबनान
ओमान
सिरियाई अरब गणतंत्र
यूनाइटेड अरब एमिरात (3)
यमन अरब गणतंत्र
यमन जनबायी गणतंत्र (4)
6. दक्षिण एशिया
अफगानिस्तान
बांग्लादेश
भूटान
बर्मा
भारत
मालदीव
नेपाल
पाकिस्तान
श्रीलंका
- (2) निम्नलिखित द्वीपों सहित: एस्केमियन द्विस्टेन का प्रान्तसेमिबल्ल, नाइटिमेनेल, गफ।
- (3) मुख्य द्वीप समूह, प्रफर्स, बौगाहरे, प्रफर्सकाजी, साहा सेंट।
- (1) मुख्य द्वीप एन्टिक, डोमिनिका, ग्रेनेडा, सेंट क्रिस्ट (सेंट क्रिस्टोको) नाविस-अंगुला, सेंका लुसिमा और सेंट विसेंट।
- (2) जेप प्राइलैण्ड, मोल्तेरएत, समान मुक और काइकोस और ब्रिटिश द्वीप समूह।
- (3) अजमन, कुवैत, फुजीराह, रास अलखेमाह, शरजाह और अमधल अजमन।
- (4) अजमन और भिन्न सलतनत और अमीरात सहित।

7. सुबुर पूर्वी एशिया

बर्मा
हांग-कांग
ब्रुने, गणतन्त्र
कोरिया गणतन्त्र
लाओस
मकाओ
मलेशिया
फिलीपाइन
मिगापुर
ताइवान
थाईलैण्ड
तिमोर
वियतनाम गणतन्त्र
वियतनाम जनवादी गणतन्त्र

(क-2) ओ.पी.ई.सी. के सहयोगी देश

अल्जीरिया
बोलिविया
लीबियाई अरब गणतन्त्र
मोरोको
नाइजीरिया
एक्वेडोर
बेन्गुएला
इरान
इराक
कुवैत
कतार
नाऊवी अरब
थाईलैण्ड
इंडोनेशिया

8. ओसिनिया

कुक द्वीप समूह
फिजी
गिल्बर्ट और लाइस द्वीप
फ्रांसिस पोलिनेशिया (3)
नारु
न्यू कैलेडोनिया
न्यू हेब्रिडिस (ब. और क.)
नियु
नैसीफिक द्वीप समूह (संयुक्त राज्य) (6)
पापुवा न्यू गिनी
सोलोमन द्वीप समूह (ब।)
टोवा
वालिस और फुतुना
पश्चिमी तिमोर
यूरोप
साइप्रस
जिब्राल्टर
ग्रीस
माल्टा
स्पेन
सुडान
सूडानेसिया

ख—ओ.ई.सी.डी. देश

आस्ट्रेलिया
बेलजियम
कानाडा
डेनमार्क
फिनलैण्ड
फ्रांस
फौरस रिपब्लिक आफ जर्मनी
ग्रीस
आइसलैण्ड
आयरलैण्ड
इटली
जापान
लक्जमबर्ग
नीदरलैण्ड
न्यूजीलैण्ड
नार्वे
पुर्तगाल
स्वीडन
स्वीडन
स्विटजरलैण्ड
टर्की
इंग्लैण्ड
संयुक्त राज्य अमेरिका

(5) सोसाइटी आई लैम्ब्स समूह (साहिती सहित) को शामिल करते हुए आस्ट्रेलियन प्रिन्स द्वीप समूह, टुवालू-गम्बियर ग्रुप और मार्शलस द्वीप समूह।

(6) नैसीफिक द्वीप का ट्रस्ट प्रवेश, फारोसी द्वीप, नार्वे द्वीप समूह और नैसी द्वीप समूह (गाला को छोड़कर)।

अनुसूची-2

प्राधिकार पत्र जारी करने के लिये आवश्यक

संख्या

दिनांक

सेवा में

सहायक लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग,
यू.को. बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल,
पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001

विषय :—जापान से येन फ्रेडर संख्या या आई सी पी (19
के लिये परियोजना सहायता) के अन्तर्गत

को का आयात ।

महोदय,

उपर उल्लिखित येन फ्रेडर संख्या आई सी पी— (परियोजना सहायता) के अधीन— से— आयात के संबंध में— (बैंक का नाम) से— कि वही होना चाहिये, जो नीचे (घ) में सम्बद्ध विदेशी संभरक के नाम साखपत्र खोलने के लिये दिया गया है वे पत्र में प्राधिकार पत्र जारी करने के लिये हम आपको निम्नलिखित ध्यौरे प्रस्तुत करते हैं :—

- (क) भारतीय आयातक का नाम और पता ।
- (ख) आयात लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य और वह साखपत्र जिस तक वैध है ।
- (ग) अधिप्राप्ति के तरीके— क्या वह सीधे क्रय पर आधारित है या औपचारिक खुली अन्तर्राष्ट्रीय निविदा पर आधारित है जिस मामले में कारणों सहित यह निर्दिष्ट करना चाहिये कि क्या संविदा का निर्णय उपर्युक्त तकनीकी उपयुक्त आकर के आधार पर किया गया है । कारण बतायें यदि कोई हो ।
- (घ) माल का संक्षिप्त विवरण ।
- (ङ) माल का उदगम देश ।
- (च) पत्र से छतर ओत देशों से आयातित संभरकों की प्रतिशतता यदि कोई हो ।
- (छ) संविदा का कुल जहाज पर्यन्त निःशुल्क / मालत और भाड़ा मूल्य (येन में) ।
- (ज) यदि कोई हो तो भारतीय एजेंट के कमीशन की धनराशि (येन में) ।
- (झ) वास्तविक जहाज पर्यन्त निःशुल्क/भाड़ा और भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिये प्राधिकार पत्र मांगा गया है ।
- (ञ) विदेशों के संभरकों के साथ की गई संविदा की संख्या और दिनांक ।
- (ट) विदेशी संभरक का नाम और पता तथा राष्ट्रीयता ।
- (ड) वे भुगतान शर्तें और संभावित तिथियां जिसको संविदा के अन्तर्गत भुगतान देय होंगे ।
- (डू) सुपूर्तगी को पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि ।
- (डू) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किये जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सेट की संख्या और उनका निपटारा दिखाते हुए) ।

(ण) पोतलदान अनुदेश, बाह्यान्तरण/पुनर्विप्रेषण की अनुमति दी गई है या नहीं, निर्दिष्ट कीजिए ।

(त) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता ।

(थ) क्या उसी लाइसेंस के अन्तर्गत संविदा (संविदाएँ) कर दी गई है और जापानी प्राधिकारियों को अधिसूचित कर दिया गया है यदि हाँ तो ऐसी प्रत्येक संविदा की संख्या, दिनांक और मूल्य और वित्त मंत्रालय का वह संदर्भ जिसके अन्तर्गत ओ.ई.सी.एफ. को अधिसूचित किया गया है ।

(द) क्या साखपत्र के संचालन और रख-रखाव के लिये बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय बैंक खाते आयातक द्वारा या संभरकों द्वारा बहन किये जाते हैं ।

(ध) आयातक द्वारा वजनबद्धता :

“हम एतद्वारा सरकार द्वारा निर्धारित तरीके से और दर से विदेशी संभरक को किये गये भुगतान के समतुल्य रुपये का पूरा और सही जमा करने का वचन देते हैं । प्रत्येक निक्षेप भाल (आयातित सामग्री) की सुपूर्तगी लेने से पूर्व तत्काल ही जमा करा दिया जायेगा । विदेशी संभरकों के संबंधित बीजक हमारे द्वारा अनुमोदित होयें ही और उनकी प्रभाव्यगी करते ही विदेशी राष्ट्रीयता की सेवाओं के लिये भुगतानों के मामले में निवेश कर दिये जायेंगे और संभरकों को भुगतान कर दिया जायेगा ।”

उपानुसूच-3

(प्राधिकार पत्र का प्रपत्र)

सं.

वाणिज्य मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

नई दिल्ली दिनांक

सेवा में,

बैंक आफ इंडिया,
टोकियो शाखा,
टोकियो (जापान)

विषय :—येन फ्रेडर (परियोजना सहायता) श्रृण करार सं. आई सी पी के अधीन आयात । साखपत्र खोलने के लिये प्राधिकार पत्र जारी करना ।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ दिनांक— को किये गये समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा यथा संलग्न ध्यौरे के अनुसार मसर्स— के नाम में— येन धनराशि के लिये अपरिवर्तनीय साखपत्र खोलने के लिये प्राधिकृत किया जाता है ।

2. आपके बैंक द्वारा खोले गये प्रत्येक साखपत्र की प्रति आयातक के बैंक, ओ.ई.सी.एफ. भारतीय नृनावास, टोकियो और हमें पृष्ठांकित की जाए ।

3. साखपत्र की शर्तों के अनुसार प्रारम्भ में संभरकों को भुगतान आपकी निधि से किया जायेगा । आप ओ.ई.सी.एफ. को आवश्यक दस्तावेज भेज कर किये गये भुगतान की प्रतिपूर्ति का दावा तत्काल करें ।

4. विदेशी संभरक को अधिप्राप्ति करते समय आपको द्वारा— (आयातक के बैंक के नाम व पता) भूल पोतलदान दस्तावेज (विनिमय), प्रतिरिक्त पूर्ण दस्तावेजों के सेट के साथ तथा संभरक को की गई सुपूर्तगी को शीघ्रता से पूर्ण करना, तत्काल करना, यदि कोई हो, यदि हो तो तत्काल की प्रति में—

5. संभरक को आपके द्वारा किये गये भुगतान की तिथि से ओई सी एफ द्वारा आपको उसकी प्रतिपूर्ति की तिथि तक के बीच के समय के लिये आपको चुकाये जाने योग्य ब्याज प्रभार भारत सरकार के लेख पर प्रभार डाले बिना सामान्य बैंकिंग शर्तों के माध्यम से भारत में संबंधित आयातक के बैंक के साथ आपके द्वारा निर्णीत किये जायेंगे। बैंकों के अन्य खर्च जिसमें साखपत्र खोलने, रख-रखाव करने और साखपत्रों के संचालन और सौदा संबंधी दस्तावेजों के संचालन से संबंधित और यदि कोई हो, तो विदेशी संभरकों के बैंक के खर्च भी विदेशी संभरक/आयातक को ही देने पड़ेंगे और इसलिये उन्हें सीधे ही संभरक/आयातक से प्राप्त किया जाय। इस प्रकार के भुगतानों की प्रतिपूर्ति का दावा ओई सी एफ से नहीं किया जायेगा।

6. जैसा कि आपके द्वारा कोई भुगतान किया जाये और उसकी प्रतिपूर्ति आपको कर दो जाये तो उसका सूचना निर्दिष्ट पत्र में इस संस्थान को भेज दो जाना चाहिये।

7. यह प्राधिकार पत्र विदेशी संभरकों के नाम में साखपत्र खोलने के लिये है। साखपत्र में बाद में किये जाने वाले संशोधन या प्राधिकार पत्र के मद्दे नज़िह में साखपत्र इस संस्थान से विशेष प्राधिकार प्राप्त किये बिना वैध नहीं होंगे।

8. यह प्राधिकार पत्र-----तक वैध रहेगा।

9. कृपया इस करार से संबंधित सभी पत्राचार और भुगतान का उल्लेख करने वाले सूचना पत्र में इस अनुदेश पत्र के शर्ष पर दो गई संख्या का उल्लेख करें।

भवदाय,

(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित :

1. आयातक-----को उसके पत्र सं-----दिनांक के-----के संदर्भ में।

उनसे अनुरोध है कि बैंकों से विनिमय दस्तावेजों की डिलीवरी लेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से अपने बैंकों के माध्यम से रुपया निक्षेप आदि जमा कराने का प्रवन्ध करें। यदि विशेष परिस्थितियों के कारण निक्षेप की डिलीवरी साधे ही सीमाशुल्क और पत्तन प्राधिकारियों से मूल पोतलदान दस्तावेज भेजे बिना ही प्राप्त कर ली गई हो तो डिलीवरी लेने से पूर्व ही निक्षेप किये जाने चाहिये। विदेशी राष्ट्रों द्वारा दी गई सेवाओं के लिये भुगतान के मामले में जैसे ही सम्बद्ध बीजक भुगतान के लिये अनुमोदित हो जायें, निक्षेप कर दिये जायें। निक्षेप जल्दी ही और ठीक से न करने पर लाइसेंस की शर्तों में यथा उल्लिखित आवश्यक कार्यवाही की जा सकती है।

2. आयातक के बैंक----- (1) यह आयात लाइसेंस संख्या-----दिनांक-----के संदर्भ में है। यह प्राधिकार पत्र येन क्रेडिट के अन्तर्गत अयातों को शामिल करने वाली संबंधित लाइसेंस शर्तों के तहत जारी किया गया है। लाइसेंस शर्तों और संबंधित सार्वजनिक सूचनाओं को देखे और आयात/विदेशी भुगतान करते समय उचित कार्यवाई करें।

(2) उनसे निवेदन किया जाता है कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो ब्रांच से दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरक को येन भुगतान के बराबर रुपया जमा करने का व्यवस्था करें। संभरकों को चुकाई गई धनराशि के बराबर रुपये की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 113-आई टी सी (पी एन)/88-91, दिनांक 6-4-89 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाये के अनुसार विदेशी संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन की निश्चित दर पर की जायेगी। प्रथम 30 दिनों के लिये 12% वार्षिक दर से और 1793 GI/91-2

इससे अधिक अवधि के लिये 18% वार्षिक दर से ब्याज जो कि संभरक को भुगतान की तारीख/बैंक आफ इंडिया को प्रतिपूर्ति की तारीख और जिस तारीख को समतुल्य रुपया भारत सरकार के लेखों में जमा किया जाये उन दो अवधियों के बीच की अवधि के लिये संगणित करके उसे भी सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 के अनुसार भारत सरकार के लेखों में जमा कराना है। ब्याज दोनों दिनों के लिये देय है अर्थात् वह तारीख जिसको विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और यह भी तारीख जिसको भारत सरकार के लेखों में रुपया जमा कराया जाता है। (जब भी इस दर में परिवर्तन किया जाये उसे सूचित कर दिया जायेगा)। यह सुनिश्चित कर लेना चाहिये कि आयातक की सीमाशुल्क निकासी के लिये आयात दस्तावेजों को मूल सैट दिये जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जाती है।

(3) ये धनराशियां या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी में चालान के दाहिनी ओर कोड सं. 5130000009 दर्शाते हुए जमा करने चाहिए। इस संबंध में उनका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 184-आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 30-8-68 तथा 233-आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 24-10-68, 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971 संख्या 74-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 तथा 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-1976 में दिये गये प्रावधानों की ओर दिलाया जाता है। वह लेखा शीर्ष जिसमें रुपया जमा कराना है "के डिपोजिट्स एण्ड एडवांस-8443-सिविल डिपोजिट्स, डिपोजिट्स फार परचेजिंग एटसेट्रा अवरोड अण्डर परचेजिंग क्रेडिट/तोन एग्निमेंट्स" लोन फाम दी गवर्नमेंट आफ जापान 5.410 विलियन येन क्रेडिट (प्रोजेक्ट एड) नम्बर आई टी सी 64 फार 1989-90

(4) जिन मामलों में तुल्य रुपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी दिल्ली में सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971 के अनुसार नकद जमा किया जाये उन मामलों में चालान की मूल रूप में एक प्रतिलिपि उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजनी चाहिये, जिसके साथ बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणियों का पूर्ण विवरण देते हुए एक अग्रेशन पत्र होना चाहिये।

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक
वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), (बो-विग)
जनपथ भवन, 5वां तल,
जनपथ, नई दिल्ली।

5. जिन मामलों में तुल्य रुपया ऊपर संकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शनी हुण्ड्री द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचना उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिये। सभी मामलों में जमा किय गये तुल्य रुपये का पूरा ब्याज इस विभाग को भेजना चाहिये।

(6) संभरक की भुगतान करने की तिथि और ओई सी एफ द्वारा बैंक आफ इंडिया, टोकियो का देय ब्याज प्रभार, बैंक आफ इंडिया, टोकियो को उसका अदायगी की तिथि के बांच की अवधि के लिये बैंक आफ इंडिया, टोकियो का देय ब्याज प्रभार बैंक सूचों के माध्यम से भारत सरकार के लेख पर प्रभार डाले बिना बैंक आफ इंडिया, टोकियो के साथ आपके द्वारा साधे निपटाए जायेंगे।

(7) संभरक को को जाने वाली प्रत्येक अदायगी, मूल प्रलेख (चाहे वह वाणिज्यक वाजक, बैंक गारण्टी, कार्य निष्पादन गारण्टी, पोतपरिवहन इत्यादि के लेन-देन संबंधी सैट हो क्यों न हो) को उपर्युक्त (2) और (3) पर कार्यवाही न की जाये तो आयातक को उन्हें रिलीज न किया जाये।

(8) विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत वितरक के रूप में बैंक के कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को भारतीय रिजर्व बैंक के विभिन्न ए.डी. परिपत्रों में निर्धारित किया गया है। इस संबंध में 18-6-77 के ए.डी. परिपत्र सं. 22 के विशेष संदर्भ की ओर ध्यान दिलाया जाता है।

(9) इस पत्र की पाबती भेजी जाये और भावी पत्राचार में संबंध दस्तावेज को दर्शाया जाये।

3. निदेशक, ऋण विभाग-2 विदेशी सहयोग निधि टाकेवासी गोदो बिल्डिंग 4-1 ओहटेमासी-1 को, चियोडा कु. टोकियो 100, जापान।

4. भारताय हुतावास, टोकियो।

5. अवर सचिव, जापान अनुभाग, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नहीं दिखी।

लेखा अधिकारी

उपाब्ध-4

प्रपत्र ओ.ई.सी.एफ.एल.सी.-1

अपरिवर्तनीय साखपत्र

(मास के लिये लागू)

दिनांक

सेवा में

यह साखपत्र (ऋणी) और विदेशी सहयोग निधि के बीच हुए ऋण करार सं. _____ दिनांक _____ के अनुसरण में जारी किया गया है।

महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम में भेजे गये आपके पूरे बीजक मूल्य के लिये आप के साइट ड्राफ्टों द्वारा उपलब्ध रकम या रकमों के लिये हमने आपके पक्ष में अपरिवर्तनीय साखपत्र सं. _____ खोल दिया है जो _____ (अर्थात् येन) की कुल धनराशि से अधिक नहीं जिसके साथ निम्नलिखित दस्तावेजों होने चाहिये:—

हस्ताक्षरित पूर्ण वाणिज्यिक बीजक, पीत परिवहन निबन्ध लदान बिल जिसमें दिये गये आदेशों का पूरा सैट हो, ब्लैंक पृष्ठांकित एवं चिन्हित "क्रेडिट एवं नोटिफाईड" अंकित किये हुए अन्य दस्तावेज।

जिन में पोतलवान, (मास के लदान का संक्षिप्त विवरण) को प्रमाणित करते हुए संविदा सं. _____ (यदि कोई हो) के संबंध में _____ से _____ तक आंशिक पोतलवान स्वीकृत है। वाहनान्तरण होना चाहिये। लदान बिल _____ के बाद की तिथि का नहीं होना चाहिये। ड्राफ्ट _____ तक लेन-देन के लिये अवश्य प्रस्तुत किये जाने चाहिये। इस ऋण के अन्तर्गत सभी ड्राफ्ट तथा दस्तावेजों पर "अपरिवर्तनीय साखपत्र सं. _____ दिनांक _____ के अन्तर्गत आह्वरण किया गया और आयात संदर्भ सं. _____ संख्याएं, यदि कोई हो) अंकित होना चाहिये।

यह क्रेडिट हस्तांतरण नहीं है।

हम एतद्वारा बचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अन्तर्गत और इसकी शर्तों के अनुपालन में हमारे नाम में भेजे गए सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आवेष्टितों को दस्तावेजों की सुपुर्दगी पर विधिवत् स्वीकार किए जायेंगे।

जब तक अन्यथा रूप से उल्लेख न किया जाये यह क्रेडिट "यूनिफार्म कस्टम एण्ड प्रैक्टिस फार डाकुमेंटरी क्रेडिट्स (1974 रिवीजन) इण्टर नेशनल बैंकर्स आफ कामर्स, पब्लिकेशन सं. 290" के अधीन है।

लेन-देन करने वाले बैंक के लिये विशेष अनुवेश।

1. उपर्युक्त ऋण करार के अन्तर्गत विदेशी आर्थिक सहयोग निधि द्वारा जारी किये गये बचनबद्धता पत्र की व्यवस्थाओं के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से अपने भुगतान के लिये प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम बचन देते हैं कि हम लेन-देन करने वाले बैंक द्वारा जारी किये गये अनुवेशों के अनुसार ड्राफ्टों की धनराशि को लौटा देंगे।

2. लेन-देन करने वाले बैंक को यह बताते हुए हमें ड्राफ्ट और दस्तावेजों का एक पूर्ण सैट और उसके साथ एक प्रमाणपत्र अवश्य भेजना चाहिये कि शेष दस्तावेज सीधे ही हवाई डाक द्वारा _____ को भेज दिये गये हैं।

3. इस क्रेडिट के अन्तर्गत सभी बैंक के लिये आयातक संभरक के खाते से देय हैं।

भवदीय,

()

वाणिज्यिक बैंक

द्वारा : _____

प्राधिकृत हस्ताक्षर

उपाब्ध-5

प्रपत्र ओ.ई.सी.एफ.एल.-2

अपरिवर्तनीय साखपत्र

(सेवाओं के लिये लागू)

सेवा में,

दिनांक :

_____ यह साखपत्र (ऋणी) और विदेशी
_____ आर्थिक सहयोग निधि के बीच हुए ऋण करार
सं. _____
_____ दिनांक _____
के अनुसरण में जारी किया गया है।

(संभरक का नाम और पता)

प्रिय महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम आकर पूर्ण उल्लिखित मूल्य के लिये हितधिकारी के ड्राफ्ट एंड साइट द्वारा उपलब्ध रकम जिसकी कुल धनराशि _____ (येन से अधिक नहीं है, के लिये खोल दिया है।

इसमें इसके साथ संलग्न भुगतान अनुसूची के अनुसार अपेक्षित परियोजना के संबंध में ठेका सं. _____ से संबंधित दस्तावेज होने चाहिये। लेन-देन के लिये ड्राफ्ट _____ से पहले प्रस्तुत किये जाने चाहिये।

सभी ड्राफ्ट और दस्तावेजों पर "अपरिवर्तनीय क्रेडिट सं. _____ के अन्तर्गत ज्ञान" लिखा होना चाहिये।

यह क्रेडिट हस्तांतरण नहीं है।

हम एतद्वारा बचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अन्तर्गत इसकी शर्तों का अनुपालन करके सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आवेष्टितों को दस्तावेजों की सुपुर्दगी पर विधिवत् स्वीकार किये जायेंगे।

जब तक अन्यथा रूप से विस्तारपूर्वक उल्लेख न किया जाये यह क्रेडिट "यूनिफार्म कस्टम एण्ड प्रैक्टिस फार डाकुमेंटरी क्रेडिट्स (1974 रिवीजन) इण्टर नेशनल बैंकर्स आफ कामर्स, पब्लिकेशन सं. 290" के अधीन है।

लेन-देन करने वाले बैंक को विशेष अनुदेश :

1. इसमें संलग्न प्रपत्र के अनुसार (ऋणी और इसके मनोनीत अधिकारी) द्वारा जारी किये गये निष्पादन के मूल विवरण की प्राप्ति के पश्चात् इस ट्रेडिट के अन्तर्गत भुगतान इसमें संलग्न शीट में निर्धारित भुगतान अनुसूची के अनुसार किये जाने चाहिये। प्रारम्भिक भुगतानों में मामले में उपर्युक्त निष्पादन के विवरण को बजाये हिताधिकारी का विवरण अपेक्षित है।

2. ऊपर उल्लिखित ऋण समशीते के अधीन जारी किये गये वचनबद्धता पत्र के उपबन्धों के अनुसार विदेशी आर्थिक सहायता निधि से भुगतान के लिये प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम लेन-देन करने वाले बैंक द्वारा जारी किये गये अनुदेशों के अनुसार ड्राफ्टों की राशि परेचिन करने का वचन देते हैं।

3. उपर्युक्त मव 1 में यथाउल्लिखित दस्तावेजों की एक प्रति और ड्राफ्ट उनकी प्राप्ति के तुरन्त बाद ही हमें भेजे जायेंगे।

4. इस साक्षात्त्र के अन्तर्गत बैंक के सभी खर्च आयातक/संभरकों के खाते में देय है।

भववीय,

वाणिज्यिक बैंक

द्वारा _____
(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

भुगतान अनुसूची

यह भुगतान अनुसूची हमारे साक्षपत्र संख्या _____ का एक अभिन्न अंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि _____ येन जो कुल संविदा मूल्य का _____ प्रतिशत है। अपेक्षित दस्तावेज _____ हिताधिकारी का विवरण प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख :

2. भुगतान प्रगति

सम्पूर्ण योग : धनराशि _____ येन जो कुल संविदा का मूल्य _____ प्रतिशत है जिसका भुगतान निम्न प्रकार से किया जाना है :—

देय धनराशि	प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
_____	_____
पहली किस्त, येन _____	_____
दूसरी किस्त, येन _____	_____
_____	_____

अपेक्षित दस्तावेज : (ऋण अथवा उसके मनोनीत अधिकारी) द्वारा जारी किये गये निष्पादित के विवरण की एक प्रति जिसका एक प्रारंभ संलग्न है।

निष्पादन का विवरण

दिनांक

संदर्भ

सेवा में

(संभरक का नाम और पता)

संदर्भ : ऋण करार सं. _____ के अन्तर्गत _____
परियोजना से संबंधित _____ के नाम के _____
येन के लिये _____ द्वारा जारी किए
साक्षपत्र की सं. _____ दिनांक _____
(ऋणी) का प्रतिनिधित्व करने हुए मैं अधोहस्ताक्षरी और _____
के बीच संविदा सं. _____
दिनांक _____ में निम्न भुगतान की शर्तों के अनुसार
विदेशी आर्थिक सहायता निधि द्वारा _____
(येन की धनराशि) _____ येन मात्र प्राप्त करने
के लिये _____ को प्राधिकृत करने के लिये
निष्पादन विवरण जारी करता है।

(ऋणी)

द्वारा _____
(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

विशेष अनुदेश :

वास्तविक निष्पादन का विवरण इसमें संलग्न पत्र में दर्शाया जायेगा।

भुगतान शर्तें

यह भुगतान शर्तें हमारे साक्षपत्र सं. _____ का एक अभिन्न अंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि _____ येन जो कुल संविदा का मूल्य का _____ प्रतिशत है। अपेक्षित दस्तावेज : अंतिम भुगतान तिथि :

2. मध्यस्थ भुगतान (यदि कोई हो)

धनराशि _____ येन जो कुल संविदा मूल्य का _____ प्रतिशत है। अपेक्षित दस्तावेज :

प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :

3. पोत परिवहन दस्तावेजों के मद्दे भुगतान

धनराशि _____ येन जो कुल संविदा मूल्य का _____ प्रतिशत है।

टिप्पणी : यह संलग्न शीट पोत परिवहन दस्तावेजों के मद्दे पूर्ण भुगतान के मामलों में अपेक्षित नहीं है।

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE NO. 176-ITC(PN)/90-93

New Delhi, the 11th July, 1991

Subject.—Licensing conditions in respect of equipment and services under the Yen Credit loan No. ID-p. 64 dated 27-3-1990 for Yen 5,410 billion for the Bhavani Kattalai Barrage Hydro Electric Project (I) of TNEB extended by the OECF of Japan—Japan.

File No. IPC/23(73)/90-93.—The terms and conditions governing the licensing conditions for import of equipment and services under the yen credit loan No. ID-p.64 dated 27-3-1990 for Yen 5,410 billion for the Bhavani Kattalai Barrage Hydro Electric Project (I) of TNEB extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan, are contained in the appendix to this Public Notice and are notified for information.

D. R. MEHTA, Chief Controller
of Imports and Exports

APPENDIX TO THE MINISTRY OF COMMERCE
PUBLIC NOTICE No. 176-ITC(PN)/90-93, dated 11-7-91

LICENSING CONDITIONS IN RESPECT OF IMPORT
OF EQUIPMENT AND SERVICES UNDER THE YEN
CREDIT LOAN NO. ID-p. 64 DATED 27-3-90 FOR YEN
5,410 BILLION FOR THE BHAVANI KATTALAI BAR-
RAGE HYDRO ELECTRIC PROJECT (I) OF TNEB
EXTENDED BY THE OVERSEAS ECONOMIC COOPE-
RATION FUND (OECF) OF JAPAN

Section I-General Conditions

I (i) The Yen Credit of Yen 5,410 Billion extended by the overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the Bhavani Kattalai Hydro Electric Project (I) of TNEB is untied in favour of Japan, developing countries (including India) and all member countries of OECF. Accordingly the goods and services to be procured under this credit can be procured from Japan and all countries enumerated in the list at Annexure-I which will be eligible source countries under the credit.

I(ii) Import Licence(s) under the Credit can be issued only for such items and for such value as have been specifically cleared by the DGTD/CG Committee. The value of import licence(s) issued under this credit should not exceed Yen 5,951 billion (C).

The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the Exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN)/74 dated the 6th June, 1974, issued by the CCI&F, which also enjoins that the Customs Authorities and the authorised dealers in foreign exchange will make debits to the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the superscription "Japanese Yen Credit No. ID-p. 64". The first and second suffix to the licence code will be "S/IC". This will also be repeated in the letter from CCI&E forwarding the import licence to TNEB a copy of which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section).

I(iii) Import licence(s) can be issued only in favour of Tamil Nadu Electricity Board on CIF basis.

I(iv) Depending on the convenience of importer more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed Yen 5,951 billion (CIF) as specified at (ii) above.

I(v) The extension of the validity of the import licence, may on application by importer, be granted upto a further period of 12 months. Any request for further extension/issue of a fresh import licence may be referred to the Department of External Affairs (Japan Section).

I(vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

I (vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agent's commission should be made in Indian Rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I(viii) Firm order must be placed on FOB/C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charges will be payable in India in Indian Rupees. "Firm orders" means purchases orders placed by the Indian Licensee on the Overseas supplier duly signed by the latter or purchase contract duly signed by both the Indian Importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I(ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I(viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be referred by the Licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee. Only on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will be authorised dealers and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits of the rupee equivalent, etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

I(x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payments on cash i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the Overseas supplier. The contract should provide for the period of delivery of goods as follows :

Letter of Credit but to be completed latest by the end of
In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 31-10-94.

Section II—Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II(i) The FOB/C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II(ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance

with the guidelines for procurement under the loan with the following supplemental stipulations :—

(a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 500 million Yen,

(i) Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Open International Tendering with Prequalification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.

(ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report shall be submitted to OECF for review and concurrence. Along with the above application for approval of award and bid evaluation, the tender documents etc. will also be submitted to OECF for its reference.

(b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 500 million prior approval of OECF is not required for award of contract. However, if OECF requests, the tender evaluation reports etc. will be submitted to OECF for its review.

(c) Consultants shall be employed in accordance with OECF Guidelines for Employment of Consultants. But prior approval of OECF shall be obtained to the following documents :—

(1) Terms of Reference

(2) Short List of Consultants

(3) Letter of Invitation

(4) Evaluation Report including Summary Evaluation Sheet.

(d) The application/documents mentioned in (a)(i), (a)(ii), (b) and (c) above will be submitted by the importer to Department of External Affairs, in duplicate, for submission to OECF.

II(iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. ID-p. 64 for 1989-90 the details of which are given in Section VII below.

II(iv) Only one contract should be entered into against the import licence. In exceptional cases, more than contract may be permitted to be entered into, for which prior approval of the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import licence.

II(v) Eligibility of Supplier

The Supplier shall be nationals of the eligible source countries, or juridical persons incorporated and registered in eligible source countries and which have their appropriate facilities for producing or providing the goods and services in the Eligible Source Countries and actually conduct their business there.

II(vi) Permissible imports from non-eligible source countries

Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than fifty per cent (50%) of the price per unit of such products in accordance with the following formula :

$$\text{IMPORTED CIF PRICE} + \text{Import Duty} \times 100$$

Supplier's FOB Price

(in case of Indian Supplier, Ex-factory Price shall be adopted)

II(vii) Declaration in Contract

The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

"I the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in _____ (name of eligible source country).

I the undersigned, further certify that to the best of my information and belief the portion imported from the non-eligible source countries is less than fifty per cent (50%) in accordance with the following formula :

$$\text{IMPORTED CIF Price} + \text{Import Duty} \times 100$$

Supplier's FOB Price

(Where applicable Ex-factory Price)

"I, the undersigned, hereby certify that _____ (Name of company) has been incorporated and registered in _____ (name of eligible source country), has its appropriate facilities for producing or providing the goods and services (name of eligible source country) and actually conducts its business there.

Section III—Conditions to be incorporated in the supply Contracts

III(i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

(a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated the 27th March, 1990 concerning the Yen Credit No. ID-p. 64 (Project Aid) for the Bhavani Kattalai Barrage Hydro Electric Project (I).

(b) Payments to the Supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No. ID-p. 64 dated 27-3-90 between the Government of India and the Overseas Economic Corporation Fund of Japan (OECF).

(c) The suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.

(d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II(vii) above.

(e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese Supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India Tokyo, informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India atleast six months in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian Importers require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section IV—Review of Contract by OECF IV(i) within stipulated period for placement of firm orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importer and the supplier supported by order confirmation in writing by the supplier or their photocopies complete

in all respects, together with two photocopies of the relevant and valid import licence and two copies of the "Request for issue of L.A" in the form in Annexure II to the Department of Economic Affairs.

IV(ii) The above procedure will also supply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV (iii) The Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) will send Notice of conclusion of Contract along with a copy of the contract to OECF for its review. A copy each of the Notice of Conclusion of Contract accompanied by the contract will also be sent by Department of Economic Affairs to Embassy of India, Tokyo and Office of CAA&A along with one copy each of "Request for issue of L.A" and photocopy of import licence.

Section V—Payment to the Overseas supplier-Letter of Credit Procedure.

V(i) On receipt of the Notice of Conclusion of contract and contract document from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs. The CAA&A will issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure-III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable letter of Credit as in the form attached at Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to the OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V(ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V (applicable to services) in favour of the Overseas suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the importer's bank in India and the CAA&A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA&A would ipso facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V(iii) The overseas supplier shall, after affecting shipment of goods present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo which will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF. A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt of an amount equal to one tenth per cent.

V(iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations thereunder and charges if any of overseas suppliers' bankers are to be borne by the importer/overseas supply. A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt of an amount equal to one-tenth per cent (0.1%) of the contract value. This amount will be paid to from the loan the contract value. This amount will be paid the loan/funds by OECF.

The importer is required to deposit into the Government of India account the rupee equivalent of this letter of commitment charges on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance. Interest from the date of payment to OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1% is payable by the importer under the reimbursement procedure also. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importers bank of India by remittance to the Bank of India Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

V(v) Reimbursement Procedure

Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian Suppliers shall be in accordance with REIMBURSEMENT PROCEDURE attached to the loan agreement.

Section VI—Responsibility for rupee deposit

VI(i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importer as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or S.B.I. Tis Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. Interest charges on the rupee equivalents of the Yen payments calculated at the rate prevailing from time to time, the present rate being 12% per annum for the first 30 days and @ 18% per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Overseas Supplier to the date of actual rupee deposit, have also to be deposited along with the principal payment, in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)/83, dated 10-8-83. It should be noted that interest is chargeable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Supplier and also the day on which rupee deposit is made in Government Account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-76 and Public Notice 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83.

The importer should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping etc. documents by the importers Banker from Bank of India, Tokyo will not be acceptable as reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notice No. 113-ITC(PN)/88-91 dated 6-4-89 or as may be notified by Government from time to time through public Notices of the CCI&E or through Exchange Control circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure, that the amount due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importers should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amount due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importers fail to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further JAS to him may be stopped and the matter reported to the CCI&P so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances-8443 Civil Deposits—Deposits for purchase etc. abroad—Purchase under credits/Loan Agreements" Loans from the Government of Japan 5.41 Billion Yen Credit No. ID-n-64 for the Bhavani Kattala Barrage Hydro Electric Project (I).

VI(ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices issued from time to time in this regard.

VI(iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic

Affairs). While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-FIC(PN)/71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority if any" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury challans :—

- (a) Ministry of Finance letter of authority No and date.
- (b) Amount of Yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note :—Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payment and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI(iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section VIII—Miscellaneous Provisions

VIII (i) Reports on utilisation of the import licence.—The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, B-Wing, 5th Floor, Janpath Bhavan, New Delhi.

VIII (ii) Notifying Suppliers of Special conditions.—The licences should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may effect the suppliers in carrying out the transaction.

VIII (iii) Disputes

It should be understood that the Government of India, will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licence and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India Tokyo must be clearly spelt out by the Importer in Annexure-II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VIII (iv) Future Instructions

The licensee shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. ID-P 64 with the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECP).

VIII (v) Breach or violation

Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VIII (vi) List of Annexures :

- Annexure-I—List of eligible source countries.
- Annexure-II—Request for issue of Letter of Authority.
- Annexure-III—Form of Letter of Authority.

Annexure-IV—Form of Letter of Credit (Applicable to imports).

Annexure-V—Form of Letter of Credit (Applicable to Services).

ANNEXURE I

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A. Developing Countries and Territories

(a) Non-OPEC Developing Countries

I. AFRICA, North of Sahara

Egypt
Morocco
Tunisia

II. AFRICA, South of Sahara

Angola
Benin
Botswana
Burundi
Cameroon
Cape Verde Islands
Central African Rep.
Chad
Comoro Islands
Congo, People's Republic of
Dahomey
Equatorial Guinea (1)
Ethiopia
Gambia
Ghana
Guinea
Ivory Coast
Kenya
Lesotho
Liberia
Malagasy Republic
Malawi
Mali
Mauritania, Mauritius
Mozambique
Niger
Portuguese Guinea
Reunion
Rhodesia
Rwanda
St. Helena and dep (2)
Sao Tomo and Principe
Senegal
Seychelles
Sierra Leone
Somalia
Sudan
Swaziland
Togo, Afars and Issas
Togo
Uganda
Un. Rep. of Tanzania
Upper Volta
Zaire Republic
Zambia

(1) Formerly the territory of Spanish Guiana including the island of Fernando PO.

(2) Including the following islands: Tristan da Inaccespibles Nightingale.

III. AMERICA, North end Cont.

Bahamas
Barbados
Belize
Bermuda
Costa Rica
Cuba
Dominican Republic
EL Salvador
Guadeloupe
Guatemala
Haiti
Honduras
Jamaica
Martinique
Mexico
Netherlands Antilles
Nicaragua
Panama
St. Pierre & Miquelon
Trinidad
and Tobago

(3) Main islands, Aruba, Bonaire, Cur.

III. AMERICA, North & Central

West Indies (Br. n.i.e.)

(a) Associated States (1)

(b) Dependencies (2)

IV. AMERICA, South

Argentina
Bolivia
Brazil
Chile
Colombia
Falkland Islands
French Guiana
Guyana
Paraguay
Peru
Surinam
Uruguay

V. ASIA, Middle East

Bahrain
Israel
Jordan
Lebanon
Oman
Syrian Arab Republic
United Arab Emirates (3)
Yemen Arab Republic
Yemen, People's D R.(4)

VI. ASIA, South

Afghanistan
Bangladesh

1. Main Islands : Antigua, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Christopher), Nevis, Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.
2. Main Island : Montserrat, Cayman, Turks and Caicos, and British Virgin Islands.
3. Ajman, Dubai, Fujairah, Ras al Khaimah, Sharjah and Umm al Quwain.
4. Including Aden and various sultanates and emirates.

Bhutan
Burma
India
Maldives
Nepal
Pakistan
Sri Lanka

VII. ASIA, Far East

Brunei
Hong Kong
Khmer Republic
Korea, Republic of
Laos
Macao
Malaysia
Philippines;
Singapore
Taiwan
Thailand
Timor
Viet-Nam, Rep. of
Viet-Nam, Dem. Rep.

VIII. OCEANIA

Cook Islands
Fiji
Gilbert & Ellice Is.
French Polynesia (5)
Nauru
New Caledonia
New Hebrides (Br. and Fr)
Niue
Pacific Islands (US)(6)
Papua New Guinea
Solomon Islands (Br.)
Tonga
Wallis and Futuna
Western Samoa

IX. EUROPE

Cyprus
Gibraltar
Greece
Malta
Spain
Turkey
Yugoslavia

5. Comprising the Society Islands (including Tahiti) The Austral Islands, the Tuamotu-Gambier Group and the Marquesas Islands.

6. Trust Territory of the Pacific Islands : Caroline Islands, Marshall Islands, and Micronesia (except Guam.)

(a2) Member of Association Countries of OPEC

Algeria
Bolivia
Libyan Arab Republic
Gabon
Nigeria
Ecuador
Venezuela
Iran
Iraq
Kuwait
Qatar
Saudi Arabia

Abu Dhabi
Indonesia

B. OECD Countries

Australia
Belgium
Canada
Denmark
Finland
France
The Federal Republic of Germany
Greece
Iceland
Ireland
Italy
Japan
Luxembourg
The Netherlands
New Zealand
Norway
Portugal
Spain
Sweden
Switzerland
Turkey
U.K.
U.S.A.

- (i) Net FOB/C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
- (j) Number and date of the contract with overseas suppliers.
- (k) Name and address and nationality of the Overseas Supplier.
- (l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (m) Expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (o) Shipment instructions (indicate if trans-shipment/part-shipment permitted or not permitted).
- (p) Name and address of the importer's bank in India
- (q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No. date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
- (r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the importers/Supplier.
- (s) Undertaking by the importer :—

ANNEXURE-II

REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY

No. _____ Dated : _____

To,

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street,
New Delhi-110001.

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers."

Sub : Import of _____ from Japan under the
Yen Credit No. ID-P _____ (Project Aid for 1989-90).

ANNEXURE-III
(Letter of Authority Form)

Sir,

In connection with the import of _____ from under the above mentioned Yen Credit No. ID-P (Project Aid) we furnish the following particulars to enable you to issue the Letter of Authority to the _____ (name of the Bank) which should be the same as given in (b) below for opening a letter of credit in favour of the overseas supplier concerned.

No. F.

Government of India

MINISTRY OF FINANCE

Department of Economic Affairs

New Delhi, the 12th July 1991

To,

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan).

Subject.—Import under Yen Credit (Project Aid) Loan Agreement No. ID-P Issue of Letter of Authority for opening Letter of Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated _____ entered into with your Bank you are hereby authorised to open irrevocable letter of credit for an amount not exceeding Yen _____ favouring M/s. as per attached details.

2. A copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, to the OECF, Embassy of India, Tokyo and to us.

- (a) Name and Address of the Indian importer
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement—whether it is based on direct purchase or formal Open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods
- (f) Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB/C&F value of the contract (in Yen)
- (h) Amount of Indian agents Commission (in Yen), if any.

3. Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should sent to _____ (Name & address of importer's Banker) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned importers bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers bankers if any, are to be borne by the Overseas Supplier/Importer and may, therefore, be recovered from the Supplier/Importer directly. No reimbursement of such charges is to be claimed from the OECF.

6. As and when any payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/c favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid upto-----

9. Please quote the number given at the top of this letter of instruction in all correspondence relating to the contract and also in the advices showing payment.

Yours faithfully,

(Accounts Officer)

Copy forwarded to :—

1. Importer _____ with reference to their letter No. _____ dated _____

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2. Importers Banker.(i)—This has reference to import licence No. _____ dt. _____

This letter of authorisation issued under the relevant Licensing conditions governing the imports under Yen credit. The Licensing conditions and connected Public Notice/order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

2(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the Overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Overseas suppliers in accordance with the Public Notices No. 113-ITC

(PN)/88-91 dated 6-4-89 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @12% per annum for the first 30 days and at the rate of 18% per annum for the period in excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier/date of reimbursement to Bank of India and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Govt. account is also required to be deposited into Govt. of India account in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83. The interest is payable for both days i.e. the day on which payment is made to the Overseas supplier and also the date on which rupee deposit is made into Govt. account (Any change in this rate will be intimated if and when made). It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

(iii) These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-68, 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances—8443—Civil Deposits—Deposit for purchases etc. abroad under Purchases under Credit/Loan Agreements"—Loans from the Government of Japan 5.410 billion Yen Credit (Project aid) No. ID-P.64 dated 27-3-90.

(iv) One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), B-Wing, 5th Floor, Janpath Bhavan, Janpath, New Delhi.

(v) In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

(vi) Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

(vii) For each payment made to the supplier, the original documents (whether commercial invoice, bank guarantees, performance guarantees, negotiable sets of shipping documents etc.) should not be released to the importer till action as at (ii) and (iii) above has been taken.

(viii) The Bank's duties and responsibilities as authorised dealer in Foreign Exchange are prescribed in various A.D. circulars of the Reserve Bank of India. Specific reference in this regard is invited to A.D. Circular No. 22 dt. 18-6-77.

(ix) The receipt of this communication may be acknowledged and reference etc. for future correspondence may be indicated.

3. The Director Loan Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund Takebashi Godo Building, 4-1, Ohtemachi 1-Chome, Chiyoda-ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

(Accounts Officer)

ANNEXURE-IV
FORM OECF-LC IANNEXURE-V
FORM OECF-LC II

Irrevocable Letter of Credit

(Applicable for goods)

New Delhi the 12th July, 1991

To:—This letter of Credit has been issued
pursuant to Loan

—Agreement No.

Dated

between (Borrower) and the Overseas
Economic Cooperation Fund.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. — in your favour for account of — for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of Yen (Say Yen) available by your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents :

Signed commercial invoice in full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify" Other documents,

evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to Contract No. (if any) from To partial shipments are permitted. Transshipment is permitted. Bills of laying must be dated not later than Drafts must be presented for negotiation not later than All Drafts and documents under this credit must be marked "Drawn under irrevocable credit No. dated and Import Reference No.(s) (if any). This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special Instructions to the negotiating bank :

1. After obtaining the reimbursement for our payments from The Overseas Economic Cooperation Fund in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.

2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airmailed direct to —

3. All banking charges under this credit are for the account of importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By : Authorized Signature

Irrevocable letter of Credit

(Applicable for services)

To

Date:

—This Letter of Credit has been issued
pursuant to Loan

—Agreement No.

(Name and address of
the Supplier)

dated

between (Borrower) and
THE OVERSEAS ECONOMIC
COOPERATION FUND

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. — in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of Yen (Say Yen) available by beneficiary's drafts at sight for full statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accordance with the payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. with regard to Project). Drafts must be presented for negotiation not later than.

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No. "

This credit is not transferable

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of document to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special instructions to the negotiating bank:

1. After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto, payment(s) under this credit must be made in accordance with the payment Schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments the beneficiary's Statement is required instead of the above mentioned Statement of Performance.
2. After obtaining the reimbursement for our payment from the OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.
3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.
4. All banking charges under this credit are for the account of the importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By : (Authorized Signature)

PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our
Letter of Credit No. _____

I. Initial Payments

Amount Yen _____
being _____% of the total contract price.

Required documents: beneficiary's Statement Latest
presentation date. _____

II. Progress Payment

Aggregate amount: Yen _____
being _____% of the total contract price to be
paid as follows:

Amount due	Latest presentation
_____	_____

1st Instalment: Yen _____

2nd Instalment Yen _____

Required documents: A copy of State of Performance issued
by (borrower or its designated authority)
a form of which is attached hereto.

Statement of Performance

Date

Ref. No.

To

(Name and address of the
Supplier)

Re: Letter of Credit No. _____ dated _____
issued by _____ for Yen _____ in favour
of concerning _____ Project under Loan Agree-
ment No. _____

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby issue a
Statement of Performance to entitled _____ to receive the
sum of Yen _____ (Yen _____ only) from the
TUE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND
in accordance with the payment Terms stipulated in the Con-
tract No. _____ dated _____ between
_____ and _____

(Borrower)

By _____

(Authorized Signature)

Special Instructions:

The details of the actual performance shall be stated in the
sheet attached hereto.

PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our
Letter of Credit No. _____

I. Initial Payment

Amount Yen _____ being _____%
of the total contract price.

Required documents:

Latest presentation date:

II. Intermediate Payment (if any)

Amount: Yen _____ being _____%
of the total contract price.

Required documents:

Latest presentation date:

III. Payment against Shipping Documents

Amount Yen _____ being _____% of
the total contract price.

Note: This attached sheet is not required in case of full
payment against shipping documents.